

श्वेते वृषे समारूढा श्वेताम्बराधरा शुचिः।
महागौरी शुभं दद्यान्महादेवप्रमोददा॥

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/24226/title/maa-devi-mahagauri-mantara>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |